साक्षात्कार | मेट्रो-3 का ट्रायल दिल को छू लेने वाला अनुभव, इस साल के अंत तक मुंबईकरों की सेवा में होगी

इंफ्रा के फील्ड में महिलाओं का आना प्रेरणादायी परिवर्तन : अश्विनी

आनंद मिश्र@नवभारत

मुंबई. मुंबई जैसे शहर में जहां एक-एक इंच जगह की कीमत और किल्लत होती है, वहां अन्डरग्राउन्ड मेट्रो का विहंगम प्रोजेक्ट बनाना कितना दुश्वारी भरा होगा, आप अंदाजा लगा सकते हैं, पर 1995 बैच की महाराष्ट्र कैडर की एक प्रतिभाशाली और जिम्मेदार आईएएस अधिकारी अश्विनी भिडे ने इसे कर दिखाया है. वह सिर्फ महाराष्ट्र की ही नहीं, बल्कि पूरे देश की इकलौती वुमन एड्मिनिस्ट्रेटर हैं जिनके जॉब प्रोफाइल में न सिर्फ मेट्रो, बल्कि मोनोरेल, एलिवेटेड रोड, फ्लाईओवर, कोस्टल रोड जैसे न जाने कितने मेगा प्रोजेक्ट्स दर्ज हैं, इसलिए जब उन्हें 'मेट्रो वूमन' के नाम से नवाजा जाता है तो यह उनके साथ कुछ नाइंसाफ़ी जैसा लगता है, ऐसा इसलिए कि मेट्रो तो इंफ्रास्ट्रक्चर का एक छोटा सा हिस्सा है. उनके पास इंफ्रा प्रोजेक्ट्स को हैन्डल करने का दो दशक से ज्यादा अनुभव है और आज की तारीख में वह सिर्फ महाराष्ट्र की ही नहीं, पूरे देश की ऐसी इकलौती आईएएस अधिकारी हैं जो इतने बड़े पैमाने पर हजारों करोड़ के प्रोजेक्ट का एक्जिक्यूशन कर रही हैं. भिडे उन महिलाओं के लिए आज एक रोल मॉडल बन चुकी हैं जो इंफ्रा इस क्षेत्र में आना चाहती हैं. नवरात्रि में जब सब जगह नारी शक्ति का बखान हो रहा हो तो ऐसे में बीएमसी की एडिशनल कमिश्नर और एमएमआरसी की एमडी दोनों पदों का कुशलतापूर्वक निर्वहन करने वाली भिडे से 'नवभारत' ने बात की. प्रस्तुत है मुख्य अंशः

सबसे पहले यह बताइए कि मेट्रो तीन के पहले फेज का कितना काम हुआ है और पूरे प्रोजेक्ट का कितना काम हुआ है?

मुंबई के पहले भूमिगत मेट्रो-3 रेल का पहला फेज आरे से बीकेसी तक होने वाला हैं. इस पहले फेज का अब तक का काम 92% से ज्यादा पूरा हो चुका है, जबकि पूरे प्रोजेक्ट की बात करें तो मुंबई मेट्रो-3 के संपूर्ण आरे से कफ परेड तक के लाइन का अब तक का काम 85% से ज्यादा काम पूरा हो चुका है.

ट्रायल रन में कैसा लगा आपको जब मुंबई में पहली बार जमीन के 90 फीट नीचे मेट्रो ट्रेन दौड़ी?

एमआईडीसी से विद्यानगरी और विद्यानगरी से सीप्झ के बीच हमने पिछले दिनो में काम पूरा किया और फिर इसका ट्रायल रन किया गया. इस ट्रायल रन के पीछे का मुख्य उद्देश्य मेट्रो की विभिन्न बुनियादी सुविधाएं जैसे ओवरहेड बिजली आपूर्ति, ट्रैक, मेट्रो कोच, प्लेटफॉर्म स्क्रीन, दरवाजे आदि की पहले समीक्षा करना था. ये सभी सिस्टम ट्रायल रन के लिए तैयार हैं या नहीं यह देखने के लिए हमने ट्रेन को ट्रैक पर दौड़ाया. हम मुंबईवासियों की सेवा में मेट्रो लाने के लिए कटिबद्ध हैं और उस ओर हम एक-एक कदम आगे बढ़ रहे हैं. निश्चित रूप से यह एक दिल को छू देने वाला अनुभव रहा है.

क्या हम उम्मीद करें कि अगले 75 से 100 दिनों के भीतर मेट्रो चलने लगेगी?

पहले फेज के तहत 33.5 किमी लंबी मेट्रो-3 को आरे से बीकेसी के बीच 12 किलोमीटर के स्ट्रेच को हम पहले चलाने वाले हैं. इनके बीच 10 स्टेशन हैं. इस पहले फेज की शुरुआत फेज इसी साल दिसंबर 2023 तक कर देने का प्लान है और हम उसी दिशा में आगे बढ़ रहे हैं.

पूरा कॉरिडोर कब ऑपरेशनल होगा?

मेट्रो-3 के पहले फेज को ऑपरेट करने के बाद इसके दूसरा फेज जो बीकेसी से कफ परेड तक होगा, उसे जून 2024 तक पूरा करने की हमारी ओर से प्रयास जारी है.

मेट्रो के अलावा कोस्टल रोड का भी आप कामकाज संभाल रही हैं. इसकी सौगात मुंबईकरों को कब तक मिलने वाली है?

कोस्टल रोड का काम 80% पूरा हो गया है. इस साल कर अंत तक इस प्रोजेक्ट के एक हिस्से को शुरू करने की कोशिश हो रही है. कोशिश है कि इसे 2024 तक पूरा कर लिया जाए.

इंफ्रा के क्षेत्र में बहुत कम महिलाएं हैं, जो महिलाएं आपको फॉलो करना चाहती हैं उन्हें आप क्या सुझाव देगी?

यह बात सही है कि इंफ्रास्ट्रक्चर के क्षेत्र में महिलाओं की उपस्थिति कम रही है, मगर अब परिस्थितियां बदल रही हैं और अब इस क्षेत्र में भी अब महिलाओं ने काफी प्रगति की है. अब ऐसा देखा जा रहा है कि महिलाएं भी पूरी स्फूर्ति, जोश और अच्छी तरह इस क्षेत्र में अपना योगदान दे रही हैं.